अंगदान कर दूसरों को जीवनदान देने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से गुरुवार को राष्ट्रीय अंगदान दिवस आयोजित किया गया

नेपानगर, कुणाल दशोरे

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम नेपा लिमिटेड में अंगदान कर दूसरों को जीवनदान देने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से गुरुवार को राष्ट्रीय अंगदान दिवस आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रबंधक (औद्योगिक सुंरक्षा) किशन पटेल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। अपने उद्बोधन में पटेल द्वारा अंगदान से संबंधित मिथकों को दूर करने और अंगदान के प्रति जागरुकता फैलाने का सभी को आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह दिन लोगों को जीवन बचाने के लिए मृत्यु के बाद अपने स्वस्थ अंगों को दान करने के लिए प्रोत्साहित करने का एक अभिनव प्रयास है। नेपा लिमिटेड चिकित्सालय के उप मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार झंझडीवाल ने कहा कि स्वस्थ अंगों की अनुपलब्धता के कारण भारत में प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों को यह महसूस करने में मदद करना है कि मृत्यु के बाद स्वेच्छा से अपने शरीर के उत्तको को प्रत्यारोपित करने से एक व्यक्ति 8 लोगों को नया जीवन दे सकता है।

विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक शल्य चिकित्सा में दो प्रकार से अंगदान किया जाता हैं। पहला 'जीवित अंगदान' जिसमें जीवित होते हुएं व्यक्ति अपने अंगों जैसे एक किडनी या लिवर का एक हिस्सा डोनेट कर सकता हैं। इंसान एक किडनी के साथ जीवित रह सकता है और लिवर ही सिर्फ़ एक मात्र ऐसा शरीर का अंग है जो खुद को फिर से पैदा करने के लिए जाना जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण अंगदान 'मृतक का अंगदान' है जिसमें ऐसे अंगदान को 'शव दान' भी कहां जाता है। इस प्रक्रिया में डोनर की मौत के बाद उसके स्वस्थ उत्तको को किसी जीवित व्यक्ति में प्रत्यारोपित किए जाते हैं। कार्यक्रम में मृत्यु उपरांत अंग दान का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। अवसर पर वरिष्ठ प्रबंधक (विद्युत) सुमन कानफाड़े, प्रबंधक (कर्मचारी संबंध एवं कल्याण) विकास गौर, प्रबंधक (विक्रय एवं विपणन) प्रशांत बैथालू, प्रबंधक (पेपर मशीन) कुमार देशमुख, डॉक्टर निशी गीर, डॉक्टर आशीष दूबे, डॉक्टर मसूद मशरूवाला, सहित कई कर्मचारी अधिकारी उपस्थित थे। प्रेस विज्ञप्ति का प्रारूप अवलोकनार्थ, अनुमोदनार्थ तथा प्रकाशनार्थ सादर प्रस्तुत हैं।

दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 05-08-2023

नेपा लिमिटेड • अंग दान दिवस पर हुए कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार झंझड़ीवाल ने कहा, सभी को अंग दान के लिए प्रेरित किया

एक व्यक्ति दे सकता है आठ लोगों को जीवन

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम नेपा लिमिटेड में अंगदान कर दूसरों को जीवनदान देने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से गुरुवार को राष्ट्रीय अंगदान दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा किशन पटेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पटेल ने अंगदान से संबंधित मिथकों को दूर करने और अंगदान के प्रति जागरुकता फैलाने का सभी से आह्वान किया।

उन्होंने कहा यह दिन लोगों को जीवन बचाने के लिए मृत्यु के बाद

कार्यक्रम के दौरान अंगदान का संकल्प कराया गया।

अपने स्वस्थ अंगों को दान करने के लिए प्रोत्साहित करने का एक अभिनव प्रयास है। नेपा लिमिटेड चिकित्सालय के उप मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार झंझड़ीवाल ने कहा स्वस्थ अंगों की अनुपलब्धता के कारण भारत में प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों को यह महसूस करने में मदद करना है कि मृत्यु के बाद स्वैच्छा से अपने शरीर के अंगों को प्रत्यारोपित करने से एक व्यक्ति आठ लोगों को नया जीवन दे सकता है। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमन कानफाड़े, प्रबंधक कर्मचारी संबंध व कल्याण विकास गौर, प्रबंधक विक्रय व विपणन प्रशांत बैथालू, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, डॉ. निशी गौर, डॉ. आशीष दुबे, डॉ. मसूद मशरूवाला सहित अन्य अफसर, कर्मचारी मौजूद थे।

दो तरीके से किया जाता है अंगदान

डॉ झंझड़ीवाल ने कहा आधुनिक शल्य चिकित्सा में दो प्रकार से अंगदान किया जाता हैं। पहला जीवित अंगदान, जिसमें जीवित होते हुए व्यक्ति अपने अंगों जैसे एक किडनी या लीवर का एक हिस्सा डोनेट कर सकता है। इंसान एक किडनी के साथ जीवित रह सकता है और लीवर ही शरीर का सिर्फ एक मात्र ऐसा अंग, है जो खुद को फिर से पैदा करने के लिए जाना जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण अंगदान मृतक का अंगदान है, जिसमें ऐसे अंगदान को शव दान भी कहा जाता है। इस प्रक्रिया में डोनर की मौत के बाद उसके स्वस्थ उत्तको को किसी जीवित व्यक्ति में प्रत्यारोपित किए जाते हैं। नेपा मिल जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कार्यक्रम के दौरान मृत्यु उपरांत अंग दान का सामूहिक संकल्प भी लिया गया।